International Research Journal of Human Resource and Social Sciences
ISSN(O): (2349-4085) ISSN(P): (2394-4218)
Impact Factor 5.414 Volume 5, Issue 12, December 2018
Website-www.aarf.asia,**Email**:editor@aarf.asia, editoraarf@gmail.com

अजमेर–मेरवाड़ा की राजस्व व्यवस्था, जागीर गांवों का मूल्यांकन एवं भूमि प्रबन्ध

शोधार्थी –मुकेश खलदानियां
महर्षि दयानन्द सरस्वती
विश्वविद्यालय अजमेर

राजस्व/किराया व्यवस्था–

इस्तमारी जायदाद में किराये का भुगतान प्रतिवर्ष केवल वास्तविक रूप से खेती योग्य क्षेत्र के लिए किया जाता था तथा उपज के प्रत्येक विभाजन के द्वारा राजस्व का आकलन किया जाता था। आम तौर पर खरीफ फसल का आकलन प्रति बीघा एक निश्चित दर से किया जाता था जिसे सामान्य भाषा में 'बिघोड़ी' कहा जाता था एवं रबी की फसल का आकलन लगभग हमेशा उपज के एक हिस्से पर किया जाता था। उद्यानिक फसलों का मूल्यांकल कुछ अधिक दर पर किया जाता था।

1950 से पहले जमीदार का हिस्सा उपज का 1/2 से 1/4 होता था लेकिन नया किरायेदारी अधिनियम 1950 के तहत अब यह वशांनुगत और गैर अधिभोग जोतो के लिए 1/5 स्थायी कर दिया गया तथा अधिभोग जोत के लिए 1/6 और पूर्व स्वामित्व वाली जोतो के लिए 1/8 भाग तय किया गया और बिघोड़ी दर बाजरा के लिए प्रति बीघा 1 रू एवं 5 रू प्रति बीघा मक्का के लिए निश्चित की गई।

बारानी भूमि के मूल्यांकन करने का कार्य बांता या उपज के हिस्से के द्वारा किया जाता था। इस प्रकार अजमेर मेरवाड़ा क्षेत्र में प्रचलित किराया/राजस्व प्रणाली दयालु सह बीघोड़ी पofr dh FkhA fderk e of) o fxjkoV d fy, ;g i.kkyh iR;{k :i l vfr lonu"khy ugh FkhA

vtej ejokMk {k= e ipfyr fdjk;k@jktLo dh 0;oLFkk dh ixfr ,lh Fkh fd fcuk uD"k ;k vU; vfHky[kk dh lgk;rk d Hkh jktLo ,df=r fd;k tk ldrk FkkA ^^ykVk** e fofHkUu [krk dh mit dk dkLrdkjh dh idfr dh ijokg fd, fcuk ,d gh fdlku d ikl j[kk tkrk FkkA rykb d ckn tehnkj d fgLl dk vyx dj fn;k tkrk FkkA Hkfe ekfyd }kjk dkb fdjk;k [kkrk ugh j[kk tkrk FkkA feVVh dh x.kork d vulkj feVVh d oxhdj.k dk vf/kd lfo/kk tud bdkb;k e foHkkftr fd;k x;k FkkA flfpr Hkfe dk ckjh] pkgh vkj rkykch ,o mud mi e.Myk e oxhdr fd;k x;k Fkk vkj vflfpr Hkfe e xkfe;k] eky] vkch] ckjkuh vkj xj eefdu bR;kfn mi e.Myk e ckVk x;k FkkA feVVh@Hkfe d fofHkUu oxk d fy, iLrkfor fdjk;k@jktLo nj fuEukulkj fHkUu&fHkUu g&

किस्म	दर प्रति एकड़
बारी	–8 से 24 रू प्रति एकड़
चाही प्रथम	– 5 से 20 रू प्रति एकड़
चाही 1	– 4.8 से 18 रू प्रति एकड़
चाही 2	– 4.4 से 16 रू प्रति एकड़
चाही 3	– 2.2 से 12 रू प्रति एकड़
तालाबी 1	– 3.9 से 9 रू प्रति एकड़
तालाबी 2	– 2.2 से 6 रू प्रति एकड़
तालाबी 3	– 1.1 से 3 रू प्रति एकड़
गोमिया 1	– 6.8 से 5 रू प्रति एकड़

© Associated Asia Research Foundation (AARF)
A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

गोमिया 2 – 5.1 से 1.8 रू प्रति एकड़
माल 1 – 4.7 से 3.2 रू प्रति एकड़
माल 2 – 3.8 से 1.8 रू प्रति एकड़
माल 3 – 2.1 से 0.8 रू प्रति एकड़
आबी 1 – 4.5 से 2.2 रू प्रति एकड़
आबी 2 – 2.6 से 1.5 रू प्रति एकड़
आबी 3 – 1.1 से 0.7 रू प्रति एकड़
बारानी 1 – 1.7 से 0.8 रू प्रति एकड़
बारानी 2 – 1.7 से 0.8 रू प्रति एकड़
बारानी 3 – 0.8 से 0.4 रू प्रति एकड़
बीड़ – 1.3 से 0.4 रू प्रति एकड़

इसमे यह अनुशंषा की गई थी कि प्रस्तावित दरों की अवधि दस वर्ष के लिए हो ताकी खालसा क्षेत्रों के लिए अन्तिम बंदोबस्त के अवधि की समाप्ति के साथ मेल खा सके तथा इसके बाद अगला बंदोबस्त पुरे जिले में एक साथ लागु किया जा सके।

अजमेर मेरवाड़ा क्षेत्र के लिए प्रस्तावित राजस्व इस प्रकार था

क्षेत्र	अनुमानित राजस्व	सकल राजस्व
पूर्वी केकड़ी	233910 रू	584776 रू
पश्चिमी केकड़ी	171345 रू	424378 रू
ब्यावर	97535 रू	343836 रू
अजमेर	49980 रू	124956 रू
कुल	552770 रू	1381946 रू

जागीर गांव का मूल्यांकन –

सन् 1954 में अजमेर जिले के जागीर गांवों की राजस्व दर रिपोर्ट प्रकाशित की गयी। इस समय 51 जागीर गांव थे। जो 232.4 वर्ग मील क्षेत्र के 142966 एकड़ में फेले थे।

जागीर गांवो ने 1947 के ऑपरेशन के बाद काफी प्रगति की थी पिछले बंदोबस्त के बाद सिंचित भाग की चाही भूमि में 42.6 प्रतिशत की बहुत अच्छी वृद्धि दर्ज की गई एवं दो फसली क्षेत्रो में 19.1 प्रतिशत तथा औसत खेती वाले क्षेत्र में 7 प्रतिशत और औसत सिंचित क्षेत्र में लगभग 38.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी दौरान जनसंख्या में हम 14.5 प्रतिशत की वृद्धि देखते है और पिछले बंदोबस्त की किमतो की तुलना में प्रचलित किमते 155 प्रतिशत अधिक थी। इसलिए मौजुदा दरों में वृद्धि काफी हद तक उचित थी। लेकिन जैसा कि कास्तकारों को राजस्व की बंटाई प्रणाली के लिए इस्तेमाल किया गया ताकि वह नकद राजस्व में परिवर्तन को सहर्ष व बिना किसी बड़बड़ाहट के स्वीकार कर ले। यह सब प्रशासन द्वारा निचले स्तर का लक्ष्य तय किया गया था।

सभी जागीर गांव आपस में जुड़े हुए थे तथा खालसा गांवों के साथ मिश्रित थे। अतः दोनों तरह के गांवों की कृषि अर्थव्यवस्था भी एक जैसी थीं। अतः यहां के किसानों की समस्या भी एकसमान थी। ऐसे सभी क्षेत्रों में समान खालसा दरे लागू करना उचित होता। लेकिन वास्तविक प्रभाव में प्रस्तावित दरे बहुत कम थी। उदार कटौतियां औसत मात्रा ¼33-3 ifr"kr½ d fu/kkj.k e dh xb Fkh vkj vfUre :i l p;fur bdkb eY; Hkh leku lfdyk d fy, viuk; x, eY;k dh ryuk e de FkA fiNy ifjpkyuk d nkjku 19 ifr"kr dh ryuk e mRiknu dh ykxr dk doj dju d fy, fj;k;rk d ek/;e l dy dVkrh] [knjk ,o fdlku dh okLrfod fcdh fderk d chp vUrj] [krh dh vfLFkjrk vkfn fdlh Hkh lfdy e 32 ifr"kr l de ugh FkhA lHkh xkok dk dy [krh ;kX; {k= dy {k=Qy dk 26 ifr"kr ¼36997 ,dM ½ FkkA flfpr {k= doy 12303 ,dM vFkkr [krh ;kX; {k= d 33-3 ifr"kr rd lhfer FkkA dy

eY;kfdr {k= 46690 ,dM FkkA {k= dh dy lEifr 160729 : FkhA jktLo ldy lEifr d 40 ifr"kr ;kfu 64290 : iLrkfor fd;k x;k FkkA

fuEu rkfydk fofHkUu idkj dh feVVh@ Hkfe d fy, fu/kkfjr jktLo dk n"kkrh g&

Hkfe	nj ifr ch?kk
ckjh	: 7@15@6 l 2@15@& :i;
pkgh A	रू 6/10/3 से 2/9/6 रूपये
चाही प्रथम	रू 6/5/– से 2/5/– रूपये
चाही द्वितीय	रू 3/11/– से 1/12/– रूपये
चाही तृतीय	रू 1/12/– से –/14/– रूपये
तालाबी प्रथम	रू 3/3/– से 1/2/6 रूपये
तालाबी द्वितीय	रू 1/14/16 से –/14/– रूपये
तालाबी तृतीय	रू –/15/6 से –/7/– रूपये
गोमिया प्रथम	रू 2/5/– से 1/4/– रूपये
गोमिया द्वितीय	रू 1/13/6 से –/15/– रूपये
आबी प्रथम	रू 4/–/– से –/14/– रूपये
आबी द्वितीय	रू 2/10/3 से –/9/– रूपये
आबी तृतीय	रू 1/2/6 से –/3/3 रूपये
बारानी प्रथम	रू 1/–/– से –/7/– रूपये
बारानी द्वितीय	रू –/10/3 से –/5/– रूपये
बारानी तृतीय	रू –/4/6 से –/2/– रूपये
बीड़	रू –/7/– से –/3/3 रूपये

भूमि प्रंबंध –

1904 में वाटसन ने अजमेर के भूमि प्रबंधंन के बारे में लिखते हुए कहा है कि '' अजमेर की भूमि व्यवस्था, जैसा की उम्मीद की जा सकती है कि पुरी तरह से सलंग्न देशी रियासतों में प्रचलित लोगों के समान है अक्सर यह गलत समझा जाता है फिर भी 1850 के मौजवाड़ प्रबंधंन को छोड़कर प्रान्त के निष्क्रियता उनके हस्तक्षेप को रोकने के लिए पर्याप्त है। यहां पर भूमि को मोटे तौर पर दो भागों में विभाजित किया जाता है

1. खालसा/ताज को निजी क्षेत्र
2. जमीदारी /बैरोनी में रखी गई भूमि – जो मुख्यतया सैन्य सेवा के दायित्व के अधीन जो अब इस्तमरार रखते थे।

खालसा भूमि को क्राउन द्वारा किसी व्यक्ति एवं उसके वारिसों के लिए पुरस्कार के रूप में या धार्मिक बंदोबस्त के रूप में किसी संस्था को आवंटित कर सकते थे ऐसे अनुदानों मे जब किसी सम्पूर्ण या आधा गांव दिया जाता था। तो यह उस संस्था या व्यक्ति की जागीर कहलाती थी। इसी दौरान क्राउन ने तीन आधे गांव और 51 सम्पूर्ण गांव खालसा से जागीर के तौर पर अलग कर दिये थे।

1. खालसा –

अजमेर भूमि व्यवस्था का आधार यह है कि सम्पूर्ण खालसा भूमि का तात्कालीक एवं वास्तविक मालिक राज्य है। राज्य का जमीन के काश्तकारों से सम्बन्ध ठीक वैसा ही है जैसा काश्तकारों का सामन्तों के साथ होता था। जागीरदारों के पास राज्य के समान अधिकार प्राप्त थें

प्राचीन काल से अजमेर की खालसा भूमि में एक परम्परा रही है कि जिन लोगों ने पानी के भण्डारण एवं उचित उपयोग हेतु कुंए खोदकर और छोटे–छोटे तटबन्धों का निर्माण करके भूमि में स्थायी रूप से सुधार किया और बंजर भूमि को खेती योग्य बनाया उन्हें उस भूमि पर कुछ विशेष अधिकार प्राप्त हुए और इन अधिकारों में धीरे–धीरे वृद्धि हुई जिनका सारांश बिस्वादारी में निहित है।

यह नाम ¼बिस्वादारी ½यह नाम मेवाड़ और मारवाड़ में प्रचलित बापोता शब्द का पर्याय है जिसे दक्षिणी भारत में मिरास शब्द के साथ जोड़ा जाता है यह दोनों शब्द विरासत भूमि को दर्शाते है।
एक किसान जिसने इस प्रकार भूमि सुधार हेतु पूंजी खर्च की थी। वह जब तक उस उन्नत भूमि के उपज के प्रथागत हिस्से का भुगतान करता है तब तक उसको उस भूमिसे कोई बेदखल नही कर सकता था तथा उस किसान को उसकी पूंजी/श्रम द्वारा बनाये गए तटबन्धों, कुओं को बेचने, गिरवी रखने या किसी को उपहार देने का पूर्ण अधिकार था इन कुओं एवं तटबन्धों के हस्तान्तरण के साथ–साथ उन्नत भूमि का भी हस्तान्तरण होने लग गया था। ये विशेषाधिकार वंशानुगत थे इन सभी वंशानुगत अधिकारों का योग उस भूमि का मालिकाना हक तय करता था। अतः इस अवधि में बिस्वेदार का अर्थ हुआ मालिक। भूमि पर स्वामित्व का अधिकार धीरे–धीरे निश्चित ही बेहतर भूमि के रूप में विकसित हुआ।
असिंचित भूमि को, अजमेर जैसे जिले में जहां वर्षा की बहुत ज्यादा अनियमितता थी, शायद ही कभी मूल्य के रूप में जाना जाता हो। एक काश्तकार बिना कुंएऔर बिना किसी तटबन्धों से पानी प्राप्त किए किसी भी गांव के बन्धन में बन्धकर नहीं रहता था। क्योंकि वास्तव में कोई भी व्यक्ति लगातार असिंचित खेतों में खेती नहीं करता था। गांव के चारों तरफ असिंचित भूमि ज्यादा होती थी और गांवों की सीमाऐं भीनिश्चित नहीं थी।
राज्य ने भूमि सुधार हेतु नए लोगों का पता लगाया और नई बस्तीयां बसायी, पट्टे दिए और उस भूमि पर उन्हें वसुली करने का अधिकार दिया। खाली पड़ी जमीनों पर सभी काश्तकारों को पशु चराने का विशेषाधिकार दिया चाहें वह बिस्वेदार हो या नहीं हो।
अजमेर के शुरूआती दोनों सुपरीडेन्ट का मानना था कि बंजर जमीन सरकार या राज्य की सम्पति है लेकिन उनके बाद के सुपरीडेन्ट का मानना था कि बंजर जमीन पर उससे संबंधित ग्रामीण समुदाय का अधिकार है। 1835 में दस साल का बन्दोबस्त करने वाले श्री एडमोंस्टोन ने जांच पड़ताल करके अपनी राय में स्पष्ट कहा कि बंजर भूमि पर राज्य का हक है। कर्नल डिक्सन ने 1842 में, जिन्होने राज्य के महान सम्पदा प्रबंधंक के रूप में कार्य किया, अनेक टेकों और छोटे–छोट तटबन्धों का निर्माण कार्य शुरू किया तब उन्होंने नयी–नयी बस्तीयां बसाई और लोगों को विशेषाधिकार संबंधित पट्टे भी दिये। पुराने बिस्वेदारों को तो यकीन ही नहीं हो रहा था कि उनके अधिकारों का अतिक्रमण किया जा रहा हैं। इन नए विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के पास भी पुराने बिस्वेदारों के समान उस उन्नत भूमि को बेचने या गिरवी रखने का अधिकार था। सन् 1849 में जब पहली बार गांवों की सीमाओं का सीमाकंन किया गया तब तक खालसा भूमि की यहीं व्यवस्था थी।
मि. थॉमसन के एक आदेश से गांवों की बन्दोबस्त व्यवस्था का सूत्रपात हुआ। इस बन्दोबस्त से खालसा भूमि के काश्तकारों के अधिकारों में आमूलचूल परिवर्तन आया कि अब खालसा भूमि/उन्नत भूमि पर प्रत्येक सदस्य का अलग–अलग अधिकार न होकर सभी को एक समुदाय के रूप में अधिकार दिए गए।
मोजवार प्रणाली में यह व्यवस्था की गई थी कि गांव की सीमाओं के भीतर खाली पड़ी भूमि को सम्पूर्ण ग्रामीण समुदाय की घोषित कर दिया जाए।

gkykfd ;g ifjoru ml le; fpfUgr ugh fd;k x;k Fkk vkj ykxk u /khj&/khj cUnkcLr fd ljkguk करनी शुरू कर दी थी।
cgr lkj ekeyk e duy fMDlu }kjk LFkkfir u, u, NkV xkok dk mud ey ird xko l vyx djd eY;kdu fd;kA bu xkok d jktLo gr ogk d iR;d fuoklh dk tkMk x;k rFkk bu u, xkok का एक प्रमुख भी घोषित किया गया।
1867 e bu NkV&NkV xkok dk vyx&vyx jktLo xko cuk;k x;k vkj bUgh xkok l tMh gb [kkyh tehu dk bul tkMk x;kA ftle ird xkok d fcLonkjk dk dkb Hkh vf/kdkj ugh gkrk FkkA duy fMDlu d dky e vtej e 95 [kkyl xko Fk tk 1909 e 195 gk x,A
1850 rd ektokMh 0;oLFkk d nkjku tc rd [kkyl Hkfe j;rokMh Fkh rc rd Hkfe dk LokfeRo jkT; d ikl FkkA ijUr ith [kp djd Hkfe e LFkk;h l/kkj dju oky j;rk dk dN vf/kdkj fn, rFkk jkT; u vflfpr ckjkuh Hkfe ij viu vuUr o fufookn vf/kdkjk dk 1850 e R;kx fn;k FkkA
2- bLrejkj ¼&

duy VkM u bLrejkj 0;oLFkk d ckj e fy[kk g fd ** budk dk;dky jktirkuk d ey jkT;k d lkerh ie[kk d lekन था इनको यह सम्पदाऐं अनिवार्य सैन्य सेवा की शर्त पर दी गई

tkxhj Fkh bu tkxhjk e gku okyh ?kVuvk dk mRrjnkf;Ro Hkh bUgh dk FkkA dN iNrkN dju ij irk pyrk g fd ;g tkxhj bldk /kkj.k dju oky 0;fDr dk thou Hkj d fy, fn;k x;k vunku FkkA tk mld jktdekj ;k xkn yh gb lUrku d fy, FkkA fdlh vijk/k ;k v{kerk d dkj.k fNuh x;h vunku tkxhj dk iuZ ikIr dju d fy, dN lekjkg d ek/;e l vun;h dk dN uxn HkV nh tkrh Fkh ftl tCrh] utjkuk] Jnktyh vkj mld okfjl dk fuo"k dgk tkrk FkkA **

bLrejkj tkxhj dk ey dk;dky vkj ,dne lgh o okLrfod fooj.k vtej fty l ikIr gkrk gA ;g vunku /kkj.k dju oky 0;fDr dk vkthou ikIr FkA yfdu nlj dk;dyk dh rjg ;g Hkh /khj&/khj o"kkuxr gk x;A 1755 b- मराठा शासनकाल के दौरान किसी भी जागीर ने कभी भी समय पर राजस्व नहीं चुकाया। लेकिन अनिवार्य सैनिक सेवा से संबंधित जो शर्ते तय हुई थीं जैसे– घोड़े और पैदल lfud miyC/k djokuk ok Hkh ejkBk vf/kdkj d nkjku अधिक शर्तDr"kkyh tehnkjk d ctk; detkj bLrejkjk l fy;k x;kA LokHkkfod :i l ;g vkdyu vleku FkkA 1818 e tc vtej fty dk vf/kxg.k fd;k x;k rk rkydnkjk dk ekeykr d etgc d rgr ,d fuf"pr jkf"k Hkxrku vkj db midjk dk pdkuk iMk tk ij ekeyk d vk/k jktLo d cjkcj FkkA ;g midj 1841 rd oly fd, tkr jg ckn e duy lnjy.M u bUg lekIr djok;kA

tk /kr ,o diV l bLrejkj cu x, Fk mud lc/k e Hkkjr ljdkj u 1830] 1839 vkj 1841 e ?kk"k.kk dh Fkh fd jkT; mu bu tkxhjk d iueY;kdu d fy, mrjnk;h g vkj mu bLrejkjk d पुनर्मुल्यांकन के स्पष्ट vkn"k tkjh fd, ijUr bu vkn"kk ij dHkh Hkh dk;okgh ugh gbA u gh lEcfU/kr ykxkdk lfpr fd;k x;k ftUgku /krdky e bLrejkjnkj dh mikf/k /kkj.k dj yh Fkh vkj fcuk fdlh lng d Lo; dk fuf"pr vkj LFkk;h fdjk;/kkjh bLrejkjnkj ekuu yx x,A mudk ;g fo"okl ljdkj dh 1841 dh dk;okgh l vkj vf/kd etcr gvk tc lHkh vfrfjDr midjk dk ;g dgdj Lohdkj dj fy;k fd ;g lHkh midj vLohdk; ejkBk mRihMu d dkj.k ykx g, Fk o jkT; dh ekx ml jkf"k rd lhfer Fkh ftldk eY;kdu ,d lnh igy ejkBkvk d }kjk fd;k x;k FkkA
;g fj;k;r mrjkf/kdkfj;k ij Hkh ykx Fkh c"kr mud }kjk utjkuk dk Hkxrku dj fn;k x;k gkA

1905 में अजमेर मे 66 जागीरे थी जिसमें 819523 एकड़ क्षेत्र और 230 गांव शामिल थे। इन bLrejkj dk jktLo 114734 : FkkA bLrejkj dk vuekfur jktLo 559198 : FkkA lHkh 66 fj;klr jktirk d v/khu Fkh ftue o"kkude dh iFkk dk ipyu Fkk bue l doy 11 gh ey tkxhj Fkh ckdh lHkh o"kkude d fu;ekulkj mifoHkktu d }kjk xfBr dh xb Fkh e[;r% tkxhj dk cVokjk lHkh i=k e leku :i l fd;k tkrk Fkk yfdu cM cV dk cMk fgLlk feyrk FkkA vxy pj.k e lcl cM i= dk lEifr d lkFk xnnh ikIr dju e Hkh lQyrk ikIr gb tcfd NkV i=k dk vyx&vyx xko fn, x, vfUre pj.k e ?kj d lnL;k d fy, ,d dvk vkj dN ch?kk tehu d vunku rd lhfer gk x;k FkkA
;gk N% tkxhj Fkh o iR;d vyx&vyx xko dh Fkh bue l ikp tkxhj mrjkf/kdkj d lglk>nkjh okyh etcr fgLlk }kjk fu;f=r Fkh ble vkil e Hkfe o jktLo nkukdk vfr l{e :i l foHkkftr fd;k x;k FkkA
jkBkM lenk; d ,d xko dMy e nk ie[k bLrejkjnkj dh eR; d ckn mldh lEifr dk cVokjk fd;k x;kA ftle lcl cM cV dk nkgjk fgLlk ikIr gvkA

jktklh bLrejkj vU; lHkh bLrejkjh tkxhjk l vyx [kMk fn[kkb nrk g tk fprk lenk; dk ,dek= bLrejkjnkj Fkk og doy mit dk ,d r; fgLlk ,d= djrk Fkk vkj ljdkj d ikl fuf"pr jktLo tek djokrk FkkA okLrfod :i l fHkuk; gh bLrejkj tkxhj l vyx Fkk o vU; ikpk xkok dk dkuuxk }kjk fe- dofMl d le; [kkylk xko ?kkषित कर दिया गया था। इस्तमरार क्षेत्र में अधिनस्थ अधिकार कभी भी न्यायिक जांच का विषय नहीं बना था। इस सिद्धान्त का हमे"kk ikyu fd;k

tkrk Fkk fd bLrejkjk dk mudh tkxhj d ekeyk dk ic/ku dju d fy, eDr gLr dj fn;k tk, vFkkr ftruk gk ld de gLr{ki fd;k tk,A

bLrejkjnkj ge"kk Lo; dk Hkfe dk ekfyd crkr Fk vkj mudk ;g nkok ljdkj }kjk Lohdkj dj fy;k x;kA lkekU;rk ;g er ipfyr Fkk fd lHkh dk"rdkj viuh eth l fdjk;nkj Fk yfdu bl jk; dk viuku l cM&cM fnXxt 0;fDr Hkh f>>drA FkA fe- dofMl u 296 xkok e tc iNrkN fd rk irk pyk fd Bkdjk d 158 xkok e Hkfe l/kkj dju oky dk"rdkjk dk mud cn[kyh d vf/kdkj l ofpr dj fn;k FkkA 161 xkok e dk"rxkjk d ikl dvk d ekfydk d leku o"kkuxr vf/kdkj ik, x,A
vflfpr vkj ctj Hkfe bLrejkjnkj dh bPNk vulkj lkoHkkfed :i l fdlh dk Hkh nh tk ldrh Fkh ऐसा शायद ही कभी हुआ कि एक इस्तमरारदार और का"rdkj dk fookn vnkyr e igpk gk yfdu 1950 e vtej dk"rdkjh Hkfe vfHky[k vf/kfu;e d ikfjr gku d ckn ifjfLFkfr;k cny xb FkhA vc dk"rdkj dk mldh eth d fcuk mldh Hkfe l cn[ky ugh fd;k tk ldrk Fkk bl vf/kfu;e dh /kkjk&17 e dk"rdkjk d fuEu ox crk; x, g&

1- vf/kHkkx fdjk;nkj
2- io LokfeRo fdjk;nkj
3- o"kkuxr fdjk;nkj
4- xj vf/kHkkx fdjk;nkj

bl ,DV u dk"rdkjk l fofHkUu ykx&ckx o vU; midjk dh olyh dk ijh rjg l jkd fn;k vkj dk"rdkjk dk cgr vf/kd LFkkf;Ro inku fd;kA

3- tkxhj%&

जगीर रियासतों के विषय की जांच जागीरदारों और सरकाjh depkfj;k dh ,d fefJr deVh }kjk dh xb bl lfefr fd fjikV e iR;d tkxhj dk bfrgkl nt gA
lHkh tkxhjk dk dy {k=Qy 150838 ,dM ftle vklr jktLo 91000 FkkA bl {k=Qy e 65472 ,dM {k= ifo= lLFkkvk vkj /ke"kkykvk dh fuf/k Fkh ckfd tkxhjk dk vkuUn dN vunku iklr fo"ष ox ,o व्यक्ति उठाते थे किसी भी जागीर के लिए अनिवार्य सैनिक सेवा या अन्य कोई सेवा की शर्त नहीं j[kh xb FkhA
lHkh tkxhj fj;klrk e jktLo Hkh mit d vueku d vk/kkj ij ,d= fd;k tkrk FkkA vFkkr jktLo d fy, dkb fuf"pr vk/kkj ugh Fkk u gh /ku dk vkdyu Kkr Fkk tl duy fMDlu d cnkcLr l igy [kkylk Hkfe e gvk Fkk ol gh लगान व राजस्व के विचार नियम अस्पष्ट Fk ,o tehu d ekfydkuk gd dk ydj Hkh 1872 rd tkxhjnkjk vkj dk"तकारों के मध्य संबंध अपरिभाषित ही थे।

vr% 1872 e ;g fu.k; fy;k x;k fd ftu ykxk d ikl flfpr Hkfe g ;k dvk o rkykck l flpu ;kX; Hkfe g vkj ftu dvk vkj rkykck dk fuek.k tkxhjnkj lkfcr ugh dj ik, mu lc dk okLrfod Lokeh ftld ikl Hkfe Fkh mlh dk eku fy;k x;k lkFk gh tkxhjnkj dk ml flfpr Hkfe ftle flpkb d lk/ku tkxhjnkj Lo; u miyC/k djok; Fk ml Hkfe vkj vflfpr o ctj Hkfe dk मालिक जागीरदार को घोषित कर दिया गया।

4- Hkke%&

Hke d :i e dgk tku okyk dk;dky jktirk d fy, vuk[kk Fkk bस शब्द का अपने आप में अर्थ ही मिट्‌टी/भूमि है। भूमिया शब्द का वास्तविक अर्थ स्वतंत्र जागीर का स्वामी है जो कि खालसा भूमि d fdjk;nkj ,o lkeUrh ie[k l fcYdy fHkUu gA
cMu ikoy d vulkj] **ble tkxhj {k= e fn;k x;k Hkfe dk vyx VdMk gkrk g ftld lkFk gh उस क्षेत्र की अच्छी व्यवस्था बनाये रखने और उस क्षेत्र में होने वाले अपराध की जवाबदेही की शर्त जुड़ी हुई gkrh gA**

© Associated Asia Research Foundation (AARF)
A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

fe-yk-Vkp ftUgku 1873 e vtej&ejokMk dk cUnkcLr fd;k Fkk u JhgYYke dh Lohdfr d vk/kkj ij crk;k fd ** Lor= tkxhj को उस भूमि के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो किसी व्यक्ति को lkotfud j{kk djr g, fojklr e ikIr gb gk ,o mld cPpk e leku :i l forfjr dh x;h gkA** gkykfd mrjkf/kdkj dk ;g fu;e mu ekeyk e io tUe ij vk/kkfjr Fkk ftle bLrejkjnkj Lo; Hkfe;k FkkA duy VkM d vulkj Hkfe;k mu io jktdekjk d o"kt Fk ftUgku viuh icyrk d ne ij fdlh Hkh ekey e vnkyr e vkuk cUn dj fn;k Fkk vkj viuh mPp J.kh d vf/kdkj dk cuk;k j[kk ,o ukeek= d fy, jktk dk FkkM l jktLo dk Hxrku djr Fk yfdu okLrfodrk e mudk bl jktLo d Hxrku l NVnh xb FkhA

dkykUrj e fofHkUu idkj d Hke fodflr g, tk ey Lor= tkxhj d foifjr vunkuk l LFkkfir g, थे लेकिन स्पष्ट रूप से बाकी भूमिया की तरह यह समान बात थी fd ;g Hkfe Hkh o"kkuxr xj iuxg.k ;kX; vkj vfoHkkT; lEifr d rkj ij jktLo eDr FkhA

Hke dk j{kk d fy, e.MdfV d :i e ;k ;} e ohjrk fn[kku d evkot d rkj ij ;k fdlh {k= e fof"ाष्ट सेवा, किसी विवाद को दबाने, सीमा की सुरक्षा करने या किसी गांव की निगरानी d fy, fn;k tkrk FkkA Hkfe tkr dh mRifr tlh Hkh ijUr dk;dky leku Fkk Hkfe;k dh mikf/k dh bruh vf/kd ekU;rk Fkh fd rkRdkfyu egkure lkeUrh ie[k Hkh bl mikf/k dk ikIr dju d fy, ykykf;r jgr FkA tl Qrgx< d Bkdj] ckUnuokMkd Bkdj rrkVh d Bkdj vkj fd"kux< d egkjktk vtej d Hkfe;k ykxk e l ,d FkA

vtej e 109 Hke tkr Fkh ;g lHko Fkk fd bue dkb Hkh ey vkofVr tkr ugh Fkh ijUr lefdr :i l vkRelkr Lor= tkxhj FkhA yxHkx lHkh Hkfe;k jkBkM Fk vkj bLrejkjnkj d ifjokjk dh NkVh शाखांओं के व"kt Fk ; ftu tkxhjk l mRiu g, mll vf/kd tkr dk nkok ugh dj ldr FkA

dkykUrj e lHkh Hkfe;k d dr0; o vf/kdkj ,d tl gk x, pkg mudh tkr dh mRifr dlh Hkh gkA igy Hkfe;kvk dh ;g tkr jktLo eDr Fkh ckn e dN dk NkMdj jktLo yxk;k x;kA yfdu ok Hkh vfu;fer :i l ,df=r fd;k x;k Fkk A lu 1841 e NkM x, jktLo d lkFk&lkFk bLrejkjnjk l fy, tku oky midj dk Hkh lekIr dj fn;k x;kA

bu Hkfe;kvk d rhu dr0; Fk &

1- Mdrk l xko ,o xko d eof"k;k dk cpkukA
2- viu xko ,o {k= e ;kf=;k dh lEifr dk pkjh o Mdrh l cpkukA
3- vijk/k l ihfMr 0;fDr fd vkFkd {kfrifr djuk& ;g dr0; bl iFkk d dkj.k tMk gvk Fkk fd jkt dk viu {k= e gku okyh pkjh ;k Mdrh l ;kf=;k d udlku dh Hkjikb djuh pkfg, tgk dgh Hkh fdlh tkxhj ;k xko e pkjh ;k Mdrh gkrh rk xko d ef[k;k dk ihfMrk dh {kfrifr dju d fy, cyk;k x;k FkkA

vtej d bLrejkjnkjk dk ge"kk l gh mud {k=k e dh x;h pkjh vkj Mdrh dh {kfrifr gr etcj fd;k x;k Fkk blh rjg l tkxhjnkj Hkh ftl jkT; u viu vf/kdkj vkj dr0;k dk gLrkrj.k fd;k Fkk viuh tkxhj e vkfFkd :Ik l mrjnk;h Fkk ;gh Hke xkok dh fof"ाष्ट वि"ोषता थी।

,l gh [kkylk xko e pkjh o Mdrh d fy, jkT; dk Hkxrku djuk iMrk Fkk vtej e bl ftEenkjh dk vlfo/kktud ekur g, bl Hkfe;k dk LFkkukUrfjr dj nh yfdu [kkylk xkok e tgk dkb Hkfe;k ugh Fkk ;g ftEenkjh jkT; d ikl cuh jghA

gkykfd vkfFkd {kfrifr dh i.kkyh mi;kxh gk ldrh g ijUr bl vtej e ftl ifjfLFkfr e ykx fd;k x;k Fkk og vtjktdrk dk le; Fkk blh vjktdrk d le; d fy, bl 0;oLFkk dk vPNh तरह से अनुकूलित किया गया था। जिस समय एक भूमिया का औसत राजस्व 17 रूपये प्रतिवर्ष था उस le; mu Hkfe;k l ;g mEehn djuk fujk"kktud gkxk fd og dkb cM vkfFkd udlku dh Hkh {kfrifr dj nx D;kfd cgr lkj Hkfe;k rk ekeyh l udlku dh Hkh Hkjikb ugh dj ldr FkA tl gh ey jkT;k u fu;fer ifyl i.kkyh dk viuk;k blh d lkFk Hke dk;dky dh vkfFkd {kfrifr dh fof"ाष्ट वि"ोषताएं गk;c gk x;h FkhA

lu 1874 e ljdkj u vkfFkd ftEenkjh dk lekIr dju d lkFk gh Hke dk;dky e Hkfe;k dk nxk dk de dju vkj Mdrk ,o fonkfg;k dk fiNk dju d fy, cyk;k tkuk vkj utjkuk d uke ij लिया जाना वार्षिक राजस्व तथा स"kL= ukxfjd luk j[ku d mrjnkf;Ro tlh Hky ?kVukvk dk okil yu d iLrko dk etjh n nhA

संकेत भाब्द :–

1- fc?kkMh %& ifr ch?kk fn;k tku okyk jktLo
2- ykx %& lkerh midj
3- utjkuk %& HkV nuk
4- fcLok %& ch?kk dk lcl NkVk fgLlk
5- bLrejkjnkj%& fcfV"T शासन 0;oLFkk d nkjku lkerh ie[kk d led{k
6- Hkfe;k & fdlh fof"ाष्ट सेवा के लिए प्राप्त अनुदानित गांवो के मुखिया
7- [kkylk & ljdkjh Hkfe
8- chM & vflfpr ctj Hkfe tk i"kvk dk pjku d fy, dke e yh tkrh gA
9- चाही – सिंचित कृषि भूमि
10- ykVk & Qly cVokj d fy, ,d txg bdVBk dju dh iFkkA
11- jktLo & rkt }kjk mit ij fy;k tku okyk dj
12- fcLoknkjh & fojkIr e ikIr Hkfe dh ftEenkjhA
13- बारानी – असिंचित कृषि भूमि
14- dkVMh & pkj.k o HkkVk dk ikIr vunkfur xko

lUnHk xUFk lph &

1- ch-,u- <k<h;ky jktLFkku fMLVhDV xtV vtej it u- 462&464
2- duy VkM ,ukYl ,.M ,DVhDohVht vkQ jktLFkku okY;e 1 it 167&68
3- लैण्ड सिस्टम ऑफ ब्रिटिश इण्डिया वॉल्यूम 2 पेज 329
4- MCY;- ,p- ekjy.M %& ,xfj;u flLVe vkQ efLye bf.M;k 1929 it 18&20
5- हकीकत बही संख्या 60 पेज 45
6- vtej jktLo fjdkM 1823&24 it 28
7- बंगाल के गर्वनर लॉर्ड कार्नवालिस ने 1793 में स्थायी बंदोबस्त के दौरान जागीरदारों के लिए इस्तमरार शब्द का इस्तेमाल किया था।
8- एस आई हिन्डेल :– राजपूताना एजेन्सी रिकॉर्डस 1898 पेज 305
9- सेटलमेन्ट ऑफ कर्नल डिक्सन पेज 445–448
10- सेटलमेन्ट ऑफ ला टौचे पेज 448–451
11- सेटलमेन्ट रिपॉर्ट 1875 : मि. जे.डी. ला टौचे पेज 718
12- अजमेर टेनेन्सी एण्ड लैण्ड रिफॉर्म एक्ट 1950
13- एच.बी. शारदा : अजमेर हिस्टोरिकल एण्ड डिस्क्रेप्टिव पेज 154
14- डॉ. पी.सरणः प्रोविन्सियल एडमिनिस्ट्रेशन पेज 313–34
15- vcy Qty % vkbu vdcjh
16- सेटलमेन्ट ऑफ मि. व्हाइटवॉस
17- सेटलमेन्ट ऑफ मि. ल्यूपटॉन
18- वाटसन गजेटियर 1905 पेज 95–106
19- मि. एडमॉसटन सेटलमेन्ट 1835